अटल बिहारी वाजपेयी

पूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी के निधन पर शोक संदेश

श्री चन्द्रशेखर जी के निधन से भारतीय राजनीति का एक संघर्षशील युग समाप्त हो गया। वह न केवल योद्धा थे अपितु एक कुशल, प्रतिभाशाली तथा निर्भीक राजनीतिज्ञ भी थे। मित्रों के मित्र थे। राजनीति में वह अपनी शर्तों के साथ रहे और जिए भी। अन्याय के विरूद्ध बेबाकी से आवाज उठाना उनका स्वाभाविक गुण था। आपात स्थिति के विरूद्ध अपने ही नेता का विरोध करना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण था। राजनीति के इस "युवा तुर्क" के चले जाने से सार्वजनिक जीवन में सूनापन आ गया है।

बीमारी से दो-दो हाथ करने के बाद हुए, उनके निधन से देश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खोया है तो मैंने एक अच्छा और प्रत्येक परिस्थितियों में साथ खड़े रहने वाला मित्र खोया है, स्नेहभरा उनका संबोधन "गुरूदेव" अब सुनने को नहीं मिलेगा। सार्वजनिक और मेरे निजी जीवन में आये इस खालीपन को भर पाना असम्भव है।

मैं उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

6A, Krishna Menon Marg, New Delhi 110011 India
Tel.: +91 11 23015308, 23793877 Fax: +91 11 23794612

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com